हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन और फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया का पुनरुज्जीवन

1372. **श्री राम जेठमलानी :** क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार "फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड" और "हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन" द्वारा चलाये जा रहे अनेक रुग्ण औद्योगिक एककों को पुनरुज्जीवित कर उन्हें लाभकारी एकक बनाने पर विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1994 तक इन दोनों संगठनों पर सरकार द्वारा निवेश की गई कुल धनराशि का ब्यौरा क्या है और इन दोनों संगठनों को क्रमशः कितनी-कितनी आर्थिक हानि हुई है ;

(ग) क्या यह सच है कि इन दोनों संगठनों के एककों की रुग्णता का मुख्य कारण पूंजी की कमी है; और

(घ) यदि नहीं, तो अन्य कारण क्या-क्या हैं और उन्हें दूर करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) (क) फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि० (एफ.सी.आई.) और हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कार्पोरेशन लि० (एच.एफ.सी.) को रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1985 के अन्तर्गत औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी.आई.एफ.आर.) द्वारा रुग्ण कम्पनियां घोषित किया गया है। बी.आई.एफ आर. ने इन कम्पनियों के लिए भारतीय औद्योगिक साख और निवेश निगम लि० (आई.सी.आई.सी.आई.) को परिचालन अभिकरण के रूप में नियुक्त किया है। एफ सी.आई.और एच.एफ.सी. के संबंध में क्रमशः 14/15 जुलाई, 1994 को हुई सुनवाई में, बी.आई.एफ.आर. ने आई.सी.आई.सी. को तकनीकी, वित्तीय और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के दृष्टिकोण से इन कम्पनियों के एककों के पुनर्वास के लिए सभी विकल्पों का मूल्यांकन करने तथा 3 माह के अन्दर अपने प्रस्ताव को प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। एफ.सी.आई./एच.एफ.सी. के विभिन्न एककों का पुनरुद्धार बी.आई.एफ आर. जो एक न्यायिक कल्प प्राधिकरण है, के समक्ष लम्बित कार्यवाहियों के परिणाम पर निर्भर करता है।

(ख) मार्च, 1994 तक, एफ.सी.आई.और एच.एफ.सी. द्वारा वहन की गई (अनंतिम) कुल हानि क्रमशः 2105.62 करोड रुपए और 2226.38 करोड़ रुपए है। 31-3-94 तक सरकार द्वारा इन संगठनों में किए गये कुल निवेश के ब्यौरे निम्न प्रकार हैं :—

(रु० करोड़ में)

	साम्य	ऋण (योजना)	योग
एफ.सी.आई.	641.39	259.03	900.42
एच.एफ.सी.	689.76	616.03	1305.79

(ग) और (घ) एफ.सी.आई./एच.एफ.सी. की रुग्णता के मुख्य कारण उपस्कर/डिजाइन कमियों से उत्पन्न कम क्षमता उपयोगिता, बारम्बार उपस्कर खराबियां, दीर्घावधिक विद्युत कटौती, संयंत्रों का पुरानापन आदि है। कम्पनी के पास निधियों की कमी भी नवीकरण/प्रतिस्थापन करने में और कच्चे माल की प्राप्ति में बाधक हुई है। सरकार हर सम्भव सीमा तक, इन कम्पनियों की निधियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए बजटीय सहायता दे रही है ताकि वे अपने संचालनों को जारी रख सकें।